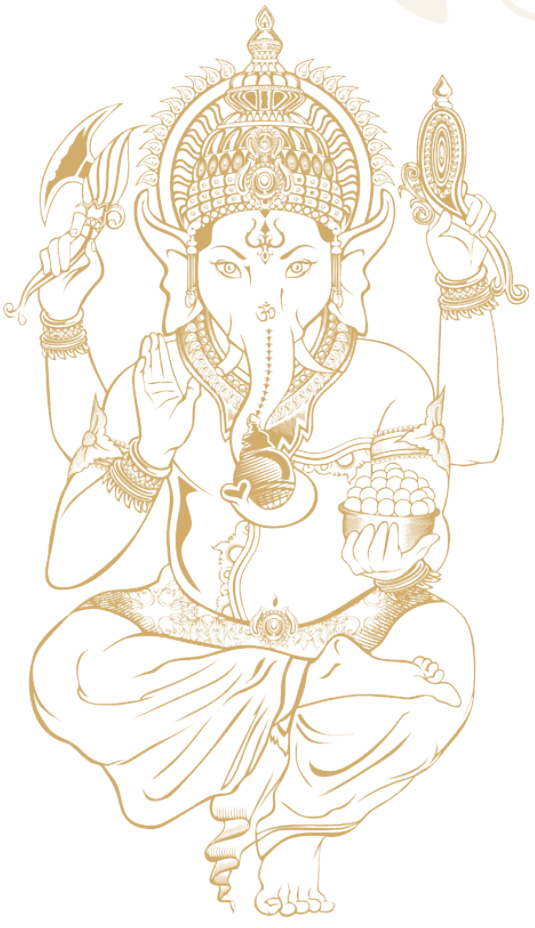

Mr.a

Ms.y

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119654602

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
07/01/1994	जन्म तिथि	21/06/1997
शुक्रवार	दिन	शनिवार
घंटे 14:45:00	जन्म समय	11:40:00 घंटे
घटी 18:44:15	जन्म समय(घटी)	15:40:11 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:15:18	सूर्योदय	05:23:55
17:39:32	सूर्यास्त	19:21:49
23:46:40	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:16

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
गुरु 10वर्ष 9मा 26दि	13:08:19	वृष	लग्न	सिंह	26:40:05	केतु 0वर्ष 7मा 13दि
बुध	23:04:03	धनु	सूर्य	मिथु	06:05:34	चन्द्र
03/11/2023	24:18:56	तुला	चंद्र	धनु	12:09:02	03/02/2024
03/11/2040	20:10:14	धनु	मंगल	कन्या	07:00:50	03/02/2034
बुध 01/04/2026	25:12:54	धनु	बुध	मिथु	00:30:20	चन्द्र 04/12/2024
केतु 29/03/2027	16:55:27	तुला	गुरु व	मक	27:55:07	मंगल 05/07/2025
शुक्र 27/01/2030	20:45:00	धनु	शुक्र	मिथु	27:01:45	राहु 04/01/2027
सूर्य 03/12/2030	03:51:11	कुंभ	शनि	मीन	25:06:46	गुरु 05/05/2028
चन्द्र 04/05/2032	08:28:19	वृश्चि	राहु व	सिंह	29:44:09	शनि 04/12/2029
मंगल 01/05/2033	08:28:19	वृष	केतु व	कुंभ	29:44:09	बुध 05/05/2031
राहु 19/11/2035	28:10:38	धनु	हर्ष व	मक	14:15:51	केतु 04/12/2031
गुरु 23/02/2038	26:55:24	धनु	नेप व	मक	05:30:53	शुक्र 04/08/2033
शनि 03/11/2040	03:29:22	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	09:42:22	सूर्य 03/02/2034

लग्न-चलित

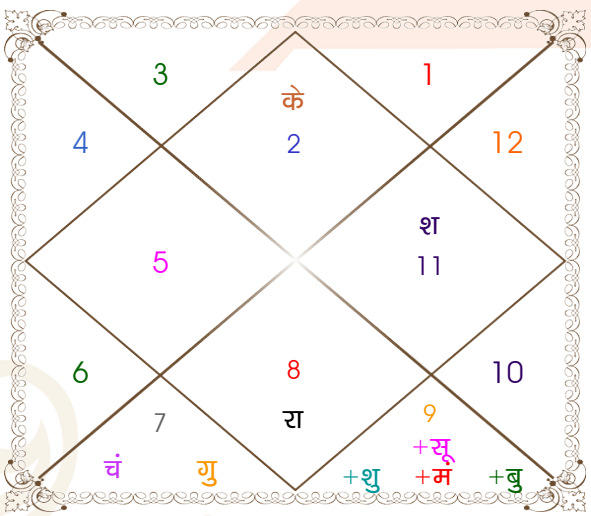

लग्न-चलित

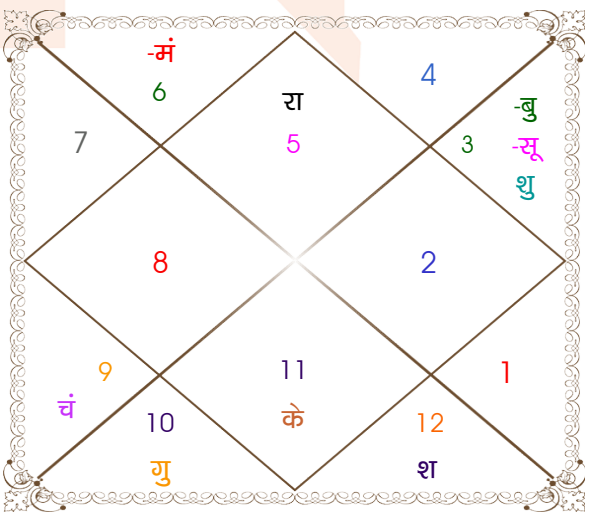

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	श्वान	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

डतर्ं का वर्ग सर्प है तथा डेण्ल का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतर्ं और डेण्ल का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतर्ं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

डेण्ल मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि डेण्ल कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतर्ं तथा डेण्ल में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।